Gift Abled
Fostering Inclusion

# कहानी

# खरगोश और कछुआ

# दिशा-निर्देश

Gift Abled
Fostering Inclusion

## क्या?

कहानी सुनाना भाषा सीखने का एक रोचक एवं प्रभावी तरीका है और यह कहानी में मगन एवं जुड़े रहने का एहसास देता है जो बच्चों को अत्यंत प्रभावशाली, आकर्षक और मनोरंजक तरीके से शब्दों को सुनने का आनंद देता है। प्रमुख शब्दों और मुहावरों के उपयोग से कहानी की पकड़ एवं रचना के प्रति आकर्षण बना रहता है।

## क्यों?

कहानियों से बहुत कुछ प्राप्त होता है: इनसे सुनने और बातचीत करने की खूबी आती है, ध्यान देने के साथ स्मृति बेहतर बनती है, प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होते हैं, मन में आश्चर्य के भाव आते हैं और घटनाओं को क्रम से जानने में मदद मिलती है।

## कैसे?

कहानी पढ़ते समय, अपने बच्चे से पूछें कि कहानी का पात्र कैसा महसूस कर सकता है और क्यों; जरूरत पड़ने पर उदाहरण देकर समझने में मदद करें। कहानी को जंगल, फिर, और अंतिम भागों में बाँटते हुए कहें। जिन बच्चों को घटनाओं के क्रम को समझने में मुश्किल होती है, उनके लिए कहानी को तीन मुख्य भागों में बाँटकर सुनाने से मदद मिल सकती है।

Gift Abled
Fostering Inclusion

# खरगोश और कछुआ में कौन सा जानवर तेज दौड़ता है?

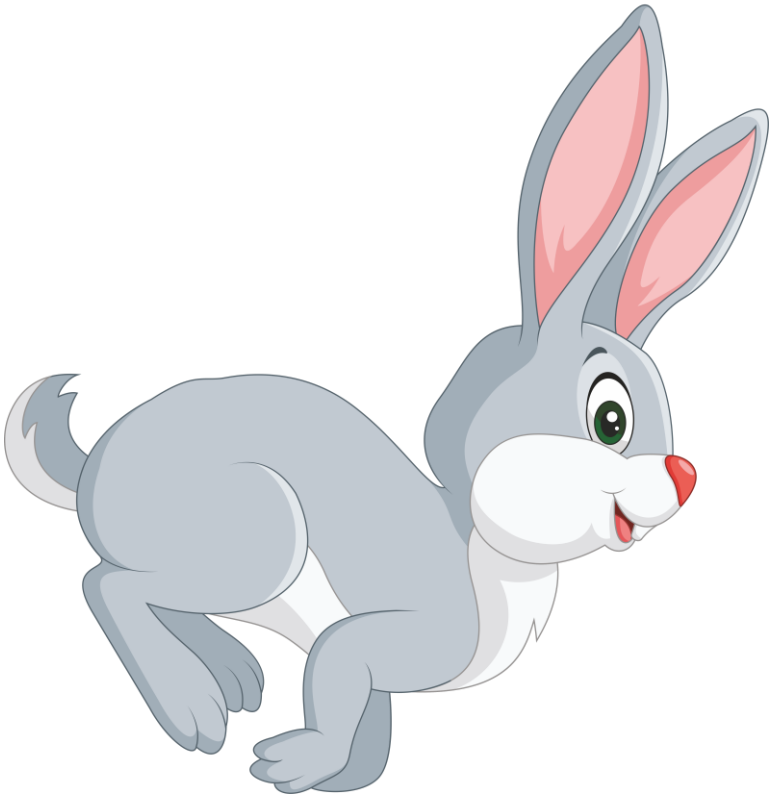

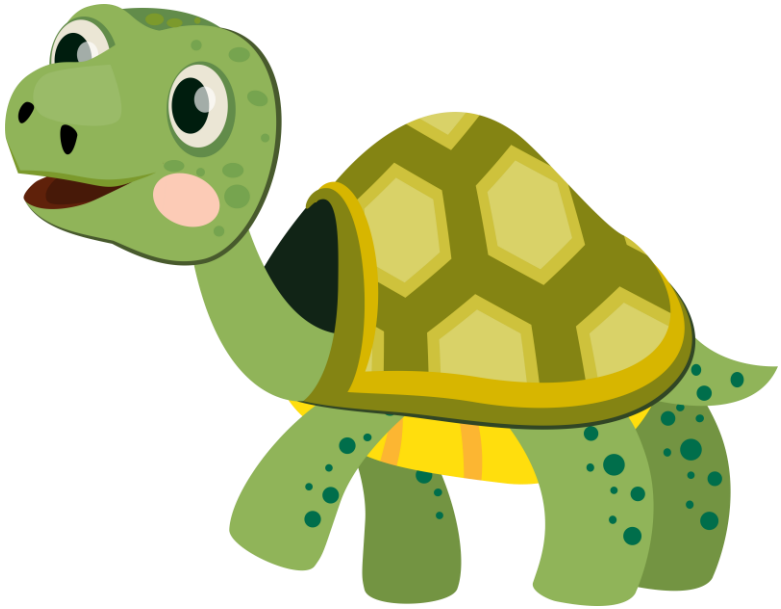

Gift Abled
Fostering Inclusion

# यदि खरगोश और कछुए के बीच एक दौड़ होती है, तो कौन जीतेगा?

Gift Abled
Fostering Inclusion

# खरगोश !

# क्यों?

क्योंकि यह कछुए से बहुत तेज दौड़ता है।

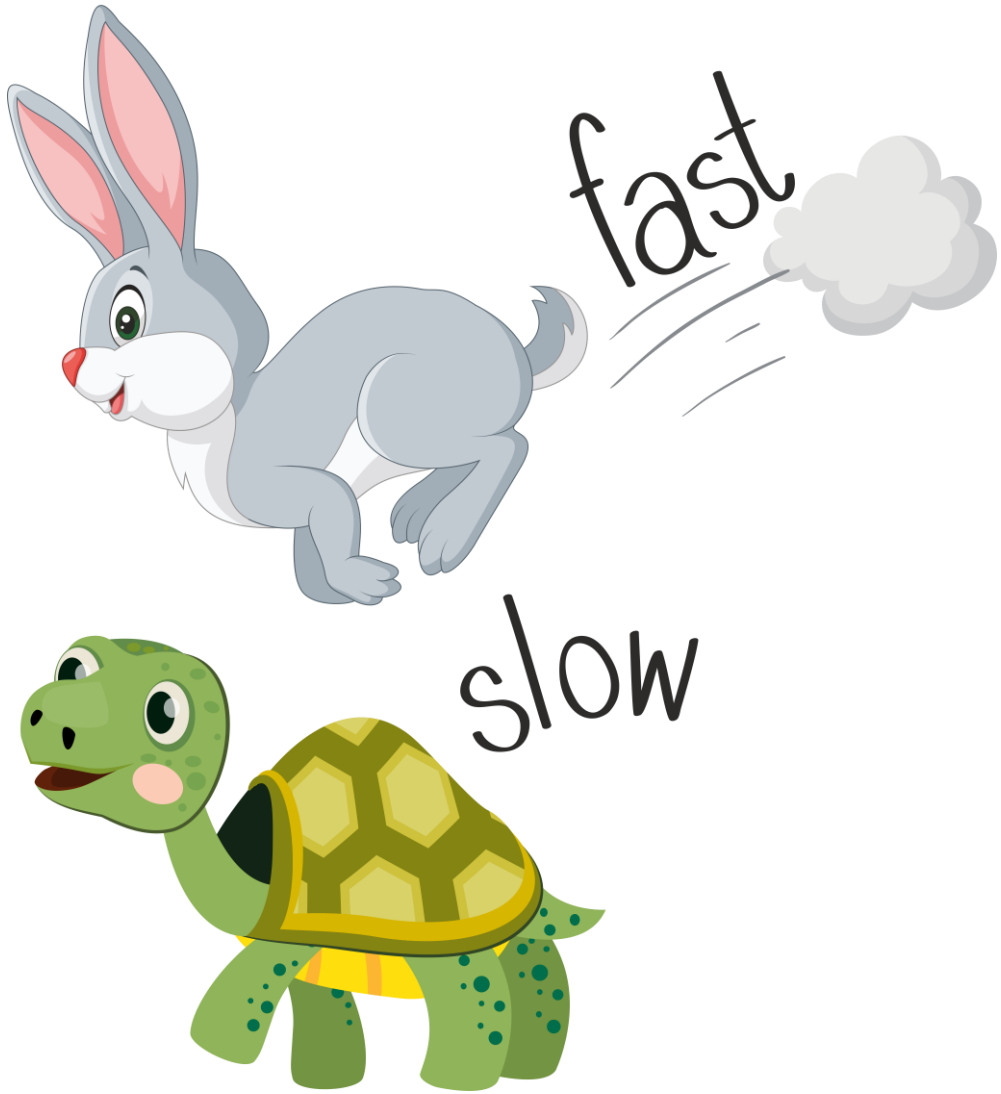

तो क्या आप उस कहानी को सुनना चाहते हैं कि कैसे एक कछुए ने खरगोश को हराते हुए दौड़ जीता था?

# तो हम कहानी शुरू करते हैं!!!!

एक दिन एक खरगोश शेखी बघार रहा था
कि वह कितना तेज दौड़ सकता है।

वह कछुए के धीमा चलने पर
उसकी हंसी उड़ा रहा था।

खरगोश उस समय आश्चर्य से भर उठा जब कछुए ने उसे दौड़ लगाने की चुनौती दी।

खरगोश किस बारे में शेखी बघार रहा था?

कछुए ने खरगोश को क्या चीज की चुनौती दी ?

खरगोश को लगा कि यह एक अच्छा मजाक है पर उसने चुनौती स्वीकार कर ली।

उन्होंने लोमड़ी को दौड़ के लिए अंपायर बनने को कहा।

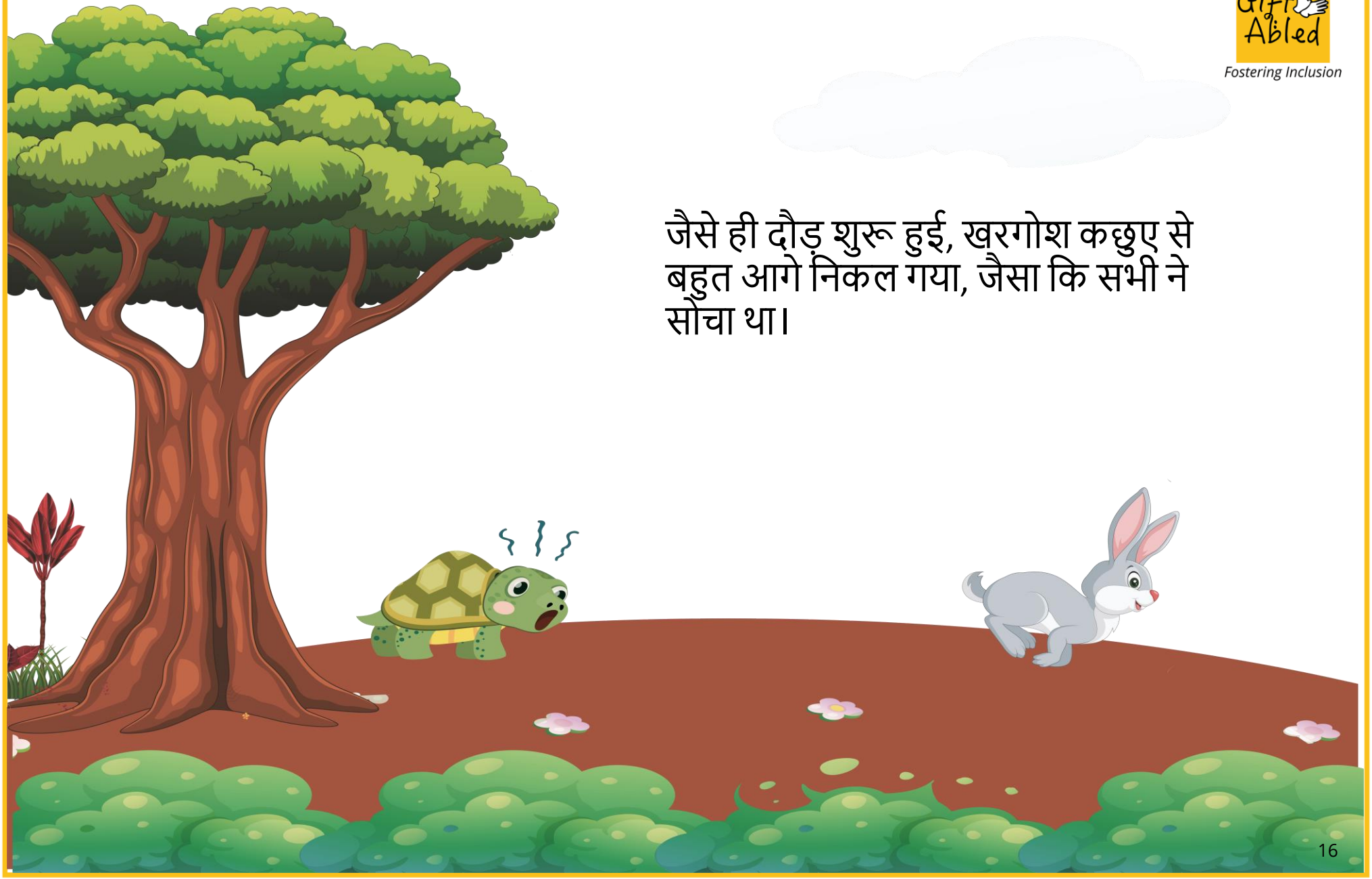

जैसे ही दौड़ शुरू हुई, खरगोश कछुए से बहुत आगे निकल गया, जैसा कि सभी ने सोचा था।

Gift Abled
Fostering Inclusion

# दौड़ का अंपायर कौन था?

खरगोश आधे रास्ते तक पहुँच गया था और उसे दूर-दूर तक
कछुआ नजर नहीं आ रहा था।

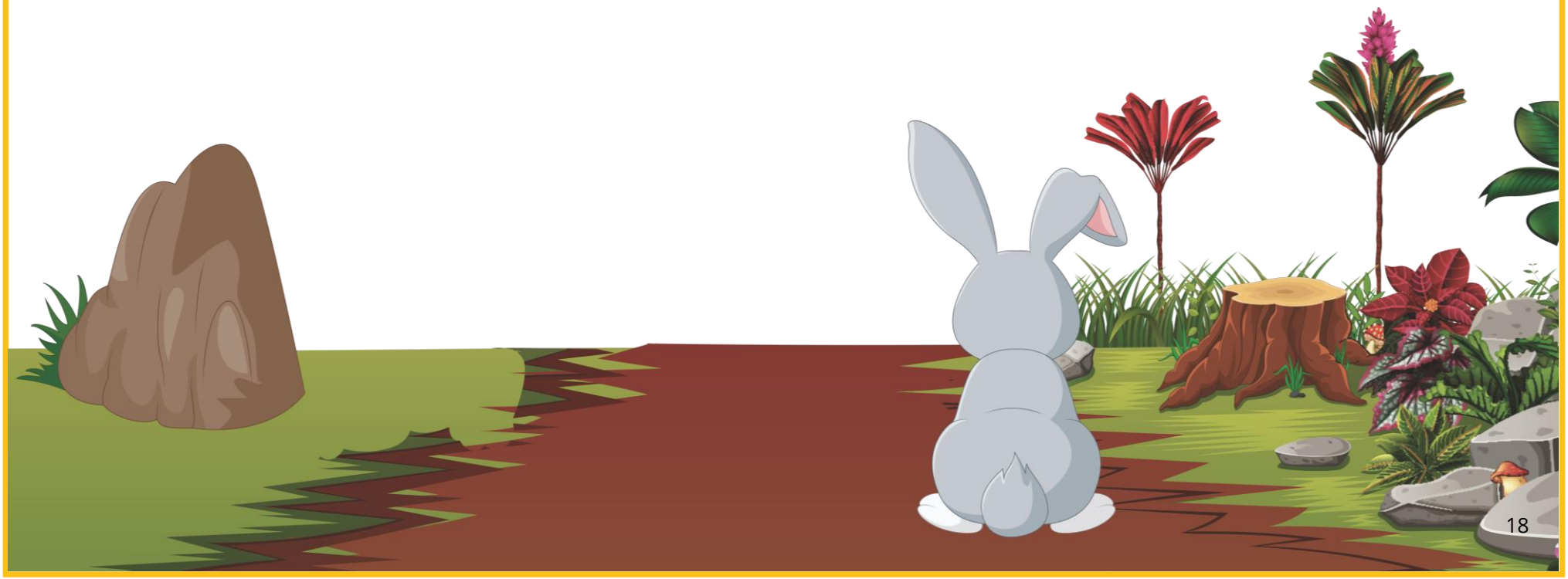

वह गर्म और थका हुआ था इसलिए उसने थोड़ी देर सोने का निश्चय किया।

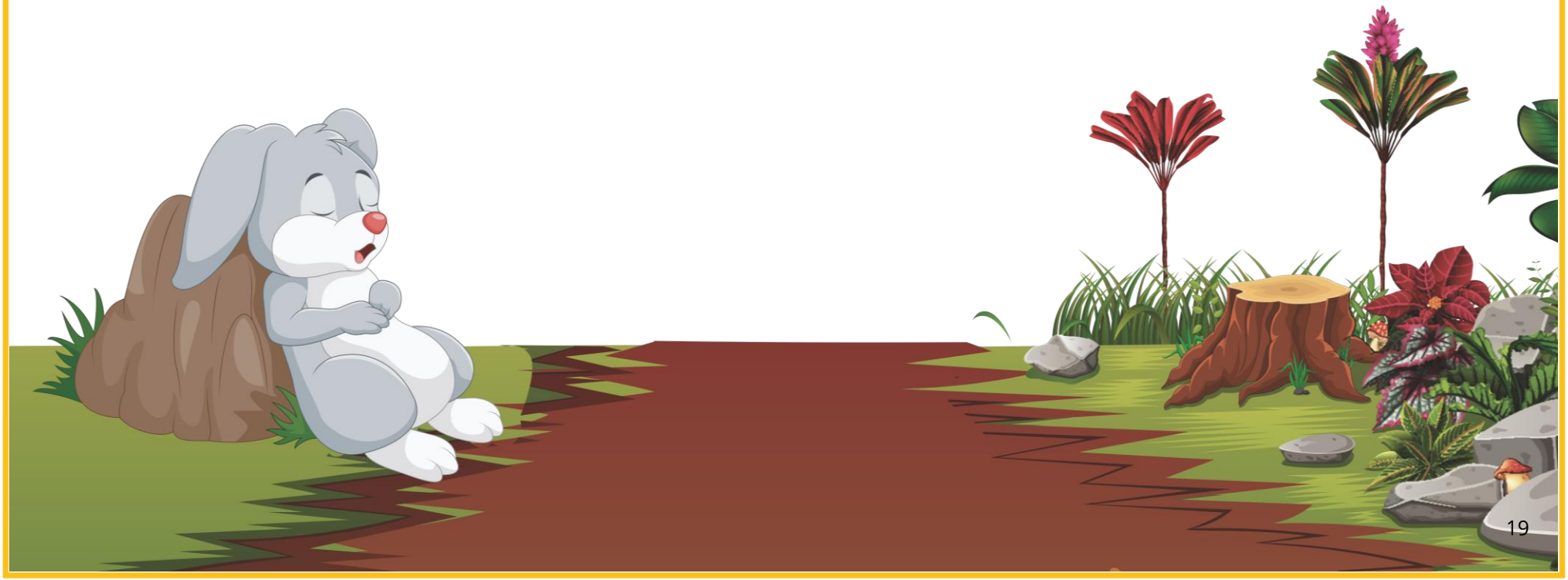

खरगोश ने सोचा, “अगर कछुआ उससे आगे निकल भी जाता है, तो भी वह दौड़ की फिनिश लाइन को उससे पहले पार कर लेगा।”

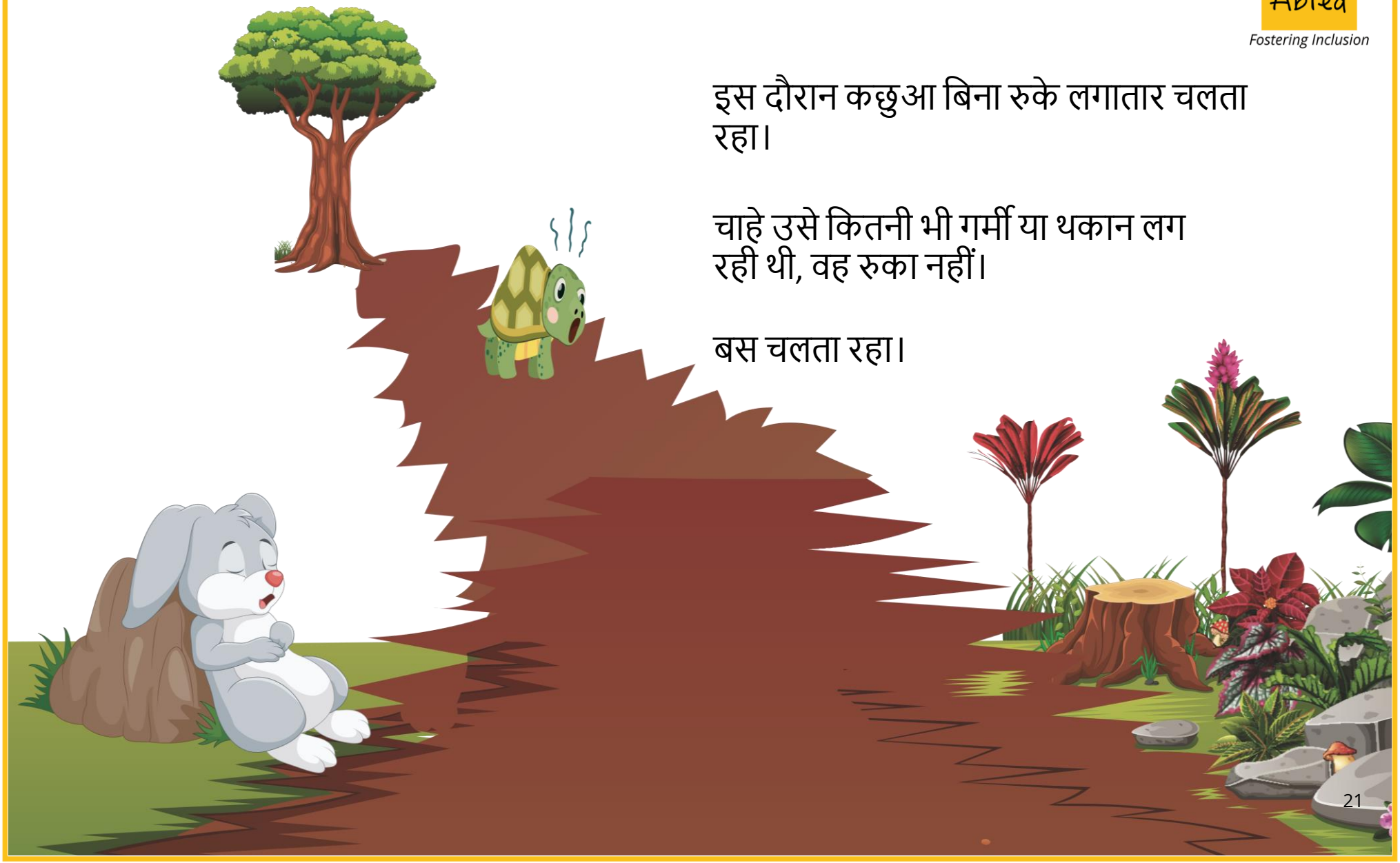

Gift Abled
Fostering Inclusion

इस दौरान कछुआ बिना रुके लगातार चलता रहा।

चाहे उसे कितनी भी गर्मी या थकान लग रही थी, वह रुका नहीं।

बस चलता रहा।

खरगोश ने क्या किया जब वह गर्म और थका हुआ था?

परंतु, खरगोश ने जितना सोचा था उससे अधिक देर तक सोया रहा और फिर उसकी नींद खुली।

उसे कछुआ कहीं दिखाई नहीं दे रहा था!

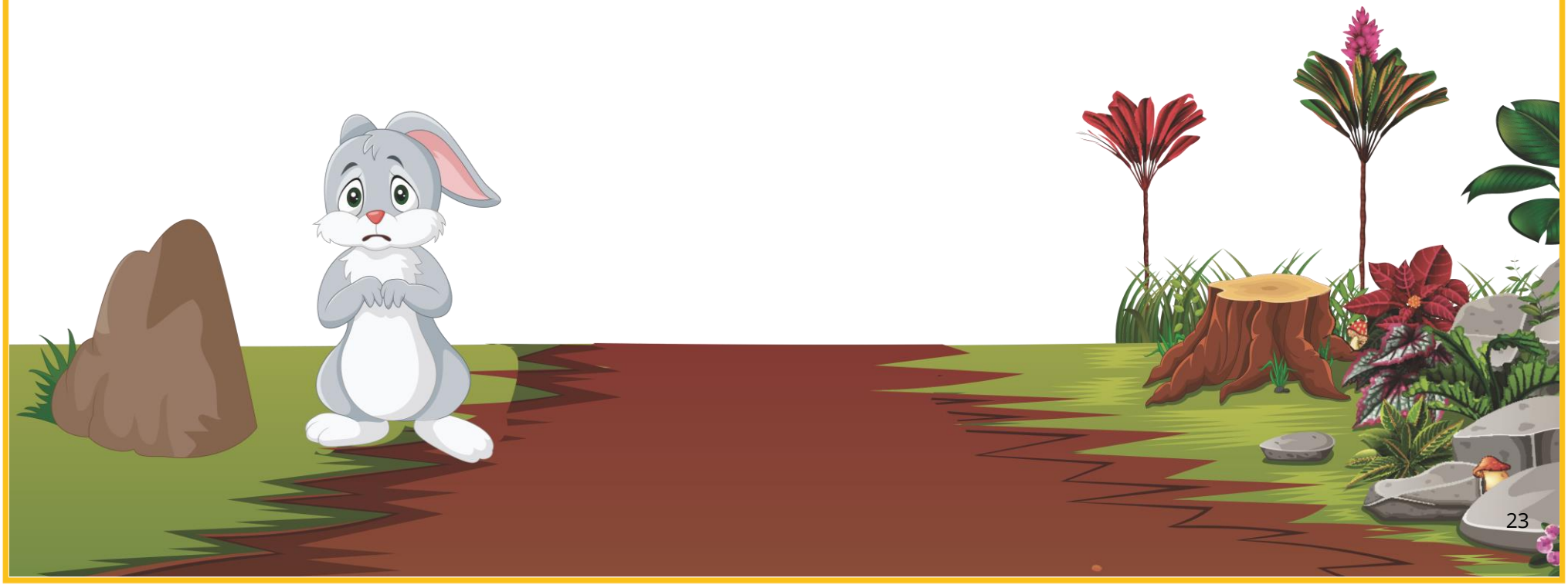

वह पूरी तेजी से फिनिश लाइन तक गया, लेकिन वहाँ
कछुआ उसका इंतजार कर रहा था...

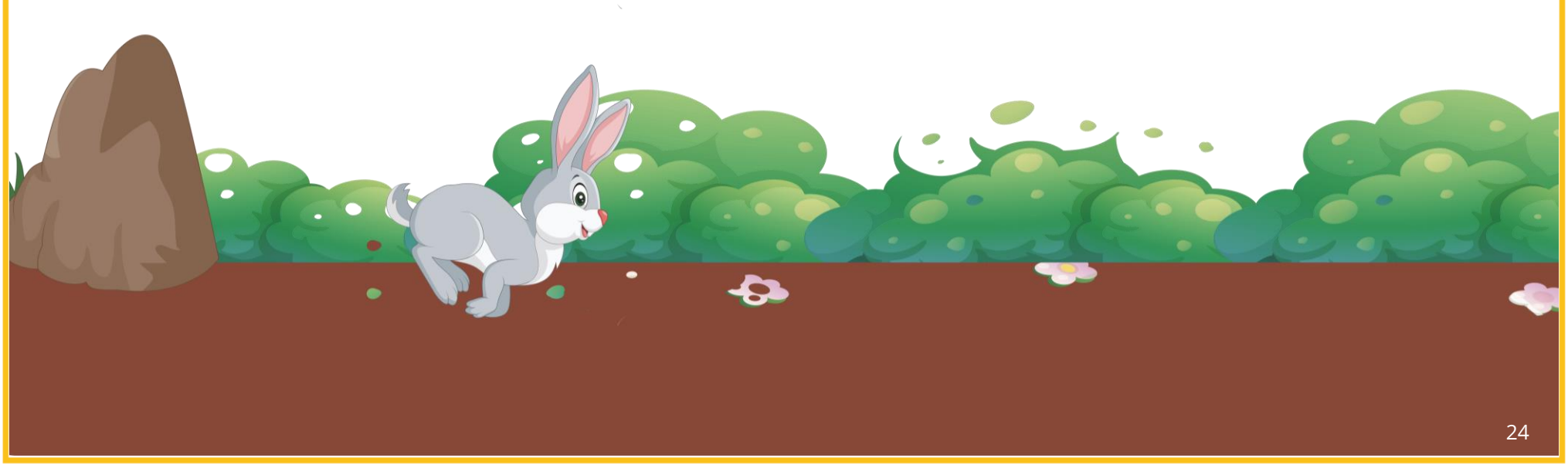

हाँ! फिनिश लाइन पर!

Gift Abled
Fostering Inclusion

# दौड़ किसने जीती?

Gift Abled
Fostering Inclusion

# इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?

Gift Abled
Fostering Inclusion

# माता-पिता और शिक्षक

अच्छी सीख, विचार और सोच के लिए बच्चों को मुहावरों के साथ प्रोत्साहित करें।

कहानी की सीख को समझाते हुए कहानी खत्म करें।

# धीमे परंतु लगातार चलने वाला ही दौड़ जीतता है!